राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
NATIONAL INSTITUTE OF OPEN SCHOOLING
आईएसओ 9001 : 2015 प्रमाणित/ISO 9001 : 2015 Certified
(स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्था)
(An autonomous Institution under Deptt. of SE&L, Ministry of Education (MoE), Govt. of India)

F-112(6)/2020/NIOS/VE/IDY-9

दिनांक: 13.02.2024

अधिसूचना - 4/2024

प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान के डिप्लोमा पाठ्यक्रम (डीएनवाईएस; 811-822) में प्रशिक्षण एवं कौशल विकास को सशक्त करने हेतु प्रशिक्षुता (इंटर्नशिप) का विशेष प्रावधान है। इंटर्नशिप को कराने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (SOPs) एनआईओएस वेबसाइट पर कार्यान्वयन के लिए हिन्दी व अंग्रेजी दोनों भाषा में उपलब्ध हैं। मानक संचालन प्रक्रिया में पाँच महत्वपूर्ण भाग हैं -

1. पाठ्यक्रम परिचय एवं संचालन
2. एनआईओएस स्तर पर उचित दिशा-निर्देश
3. एवीआई / प्रशिक्षण केंद्र हेतु आवश्यक दिशा निर्देश
4. शिक्षार्थियों से संबन्धित दिशा-निर्देश
5. इंटर्नशिप कराने वाले एवीआई / प्रशिक्षण केंद्र के चिकित्सालयों हेतु दिशा-निर्देश

उक्त मानक संचालन प्रक्रिया (SOPs) के आलोक में इंटर्नशिप कराने हेतु, एनआईओएस के संबन्धित एवीआई (प्रशिक्षण केन्द्रों) को निर्देश ज़ारी किया जाता है।

कैलाश 13/02/24

(ले0 क0 कैलाश बंशल)
निदेशक (व्यावसायिक शिक्षा)

प्रतिलिपि:

1. **सभी विभागाध्यक्ष**
2. **निजी सहायक - अध्यक्ष कार्यालय (मा. अध्यक्ष महोदया के सूचनार्थ)**
3. **सभी क्षेत्रीय निदेशक - सभी अध्ययन केंद्रों के सूचनार्थ एवं कार्यान्वयन हेतु**
4. **एसए/पी (सभी के सूचनार्थ वेबसाइट पर अपलोडिंग हेतु)**
5. **फाइल प्रति**

ए-24-25, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सैक्टर-62, नोएडा-201309 (उ.प्र.) • दूरभाष : 0120-4089800/0120-4626900
A-24-25, Institutional Area, Sector-62, NOIDA-201309 (U.P.) • Phone : 0120-4089800/0120-4626900 • Website: www.nios.ac.in

प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान में डिप्लोमा पाठ्यक्रम

इंटर्नशिप कराने हेतु
मानक संचालन प्रक्रिया (SOPs)

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
(शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)
ए - 24-25, सेक्टर - 62, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, नोएडा (उत्तर प्रदेश)

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
(व्यावसायिक शिक्षा विभाग)
प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान के डिप्लोमा पाठ्यक्रम में इंटर्नशिप कराने हेतु मानक संचालन प्रक्रिया (SOPs)

एनआईओएस द्वारा 'प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान में दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम देश भर में पिछले दो वर्ष से संचालित है। लोगों के मध्य यह पाठ्यक्रम काफी लोकप्रिय हो रहा है, जिसके कारण आज समाज में इसके प्रशिक्षण की मांग भी बढ़ रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। अतः एनआईओएस अपने व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण एवं कौशल विकास को और भी सशक्त करने की ओर अग्रसर है।

'प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान में डिप्लोमा पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य, योग और प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में लोगों को कुशल पेशेवर और निवारक विशेषज्ञ बनाना है। पाठ्यक्रम को पूरा करने के पश्चात, ये प्रशिक्षु प्राकृतिक जीवन शैली को व्यावहारिक बनाने व स्वास्थ्य संवर्धन करने में सक्षम होंगे तथा योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की विभिन्न तकनीकियों के माध्यम से जीवन शैली व अन्य रोगों का उचित प्रबंधन करने हेतु कौशल और दक्षता हासिल कर सकेंगे। इस उद्देश्य से इस पाठ्यक्रम में प्रशिक्षुता (इंटर्नशिप) का विशेष प्रावधान किया गया है।

जब कोई प्रशिक्षार्थी या नवनियुक्त पेशेवर व्यक्ति एक निर्धारित अवधि में व्यावहारिक कार्य का अनुभव प्राप्त करता है, तो उसे प्रशिक्षुता (इंटर्नशिप) कहा जाता है।

इंटर्नशिप, व्यावहारिक कार्य अर्थात विशेष प्रशिक्षण के अनुभव का एक महत्वपूर्ण चरण है जहां एक प्रशिक्षु स्वतंत्र, बिना निगरानी वाले पर्यवेक्षण में अभ्यास के लिए कौशल और दक्षता हासिल करता है। एनआईओएस के 'प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान के प्रशिक्षार्थी अपने प्रशिक्षण केंद्र के चिकित्सालय में छः माह का व्यावहारिक कार्य का अनुभव अर्थात इंटर्नशिप पूरा करेंगे। इस व्यावहारिक कार्य का अनुभव अर्थात इंटर्नशिप का प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

इस पाठ्यक्रम के प्रशिक्षार्थियों के लिए, प्राकृतिक चिकित्सालय में यह छः माह की रेग्युलर इंटर्नशिप होगी। उक्त डिप्लोमा पाठ्यक्रम की इंटर्नशिप कराने हेतु, विस्तृत, सरल, सुस्पष्ट एवं प्रभावी मानक संचालन प्रक्रिया (SOPs) विकसित की गई है। इसमें स्पष्ट दिशा-निर्देश दिये गए हैं। मानक संचालन प्रक्रिया को पाँच भागों में विभाजित किया गया है;

1. **पाठ्यक्रम परिचय एवं संचालन**
2. **एनआईओएस स्तर पर उचित दिशा-निर्देश**
3. **एवीआई / प्रशिक्षण केंद्र हेतु आवश्यक दिशा निर्देश**
4. **प्रशिक्षुओं से संबन्धित दिशा-निर्देश**
5. **इंटर्नशिप कराने वाले चिकित्सालयों हेतु दिशा-निर्देश**

(आवश्यकतानुसार भविष्य में इस मानक संचालन प्रक्रिया (SOPs) में बदलाव किए जा सकते हैं)

1

पाठ्यक्रम परिचय एवं संचालन

प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में, प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान में डिप्लोमा एक महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम है। यह पाठ्यक्रम, उन सभी लोगों के लिए विकसित किया गया है, जो योग और प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में रुचि रखते हैं और एक पेशेवर के रूप में, काम करने के इच्छुक हैं। प्राचीनकाल से ही मानव प्रकृति के सान्निध्य में रहा है, जहां उसने अपनी जीवन शैली में प्रकृति को समाहित कर स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखी है। आज स्वस्थ एवं चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए, योग एवं प्राकृतिक जीवन शैली को अपनाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

आधुनिक जीवन शैली के स्वरूप और खान-पान की आदतों में बदलाव के कारण जीवनशैली संबंधी रोग जैसे - मोटापा, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, मधुमेह आदि बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। यही कारण है कि, लोग अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने, रोगों से बचने और इलाज के लिए, प्राकृतिक चिकित्सा तथा अन्य वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। अतः आज समाज में, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की विशेषरूप से मांग है। इस विशेष मांग को ध्यान में रखते हुए, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) ने अपने अधिकृत प्रशिक्षण केन्द्रों के माध्यम से इस व्यावसायिक पाठ्यक्रम की शुरूआत की है।

उद्देश्य

पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य, योग और प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में लोगों को कुशल पेशेवर और निवारक विशेषज्ञ बनाना है। पाठ्यक्रम को पूरा करने के पश्चात, प्रशिक्षु निम्नांकित में कौशल प्राप्त करने और दक्षता हासिल करने में सक्षम होंगे -

- योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के परिचय पर प्रकाश डालने में;
- स्वास्थ्य-जागरूकता, स्वच्छता, एवं आहार की आवश्यकता एवं महत्व का उल्लेख करने में;
- योग दर्शन एवं क्रिया विज्ञान को समझा पाने में;
- योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के सिद्धांतों तथा पंचतत्वों पर प्रकाश डालने में;
- प्राकृतिक जीवन शैली की अवधारणाओं को जानने और व्यावहारिक बनाने में;
- स्वास्थ्य संवर्धन, बीमारियों की रोकथाम सहित सामान्य संक्रमण और जीवन शैली संबन्धित बीमारियों का प्रबंधन और आपातकालीन स्थितियों के दौरान नियंत्रण करने में;
- मानव शरीर रचना एवं शरीर क्रिया विज्ञान की मूलभूत जानकारी रखने में;
- योग के एकीकृत दृष्टिकोण के अनुप्रयोगों को लागू करने में;
- प्राकृतिक चिकित्सा से विभिन्न विकारों व बीमारियों की चिकित्सा प्रदान करने में;
- मानव शरीर पर योग के प्रभाव को स्पष्ट करने में।

प्रवेश अर्हता

- किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से न्यूनतम 12 वीं कक्षा पास (समकक्ष) अथवा
- वे सभी लोग, जो एनआईओएस अथवा किसी मान्य प्रतिष्ठित संस्थान, विश्वविद्यालय से योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा में न्यूनतम एक वर्षीय सर्टिफिकेट या डिप्लोमा कर चुके हैं, वे पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश ले सकते हैं।
- न्यूनतम आयु - 18 वर्ष

लक्ष्य समूह

वे सभी लोग, जो योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं और 'कुशल पेशेवर और निवारक विशेषज्ञ' बनने के इच्छुक हैं।

रोजगार के अवसर

कार्यक्रम पूरा करने के पश्चात सफल अभ्यर्थी, योग संस्थानों, योग केंद्रों, स्वास्थ्य क्लबों, प्राकृतिक चिकित्सालयों तथा अन्य प्राचीन चिकित्सा पद्धति के केन्द्रों आदि में सहायक चिकित्सक अथवा समकक्ष के रूप में काम कर सकते हैं।

पाठ्यक्रम की अवधि

पाठ्यक्रम की अवधि दो वर्ष छः माह इंटर्नशिप सहित (कुल अध्ययन घंटे = 2400)

पाठ्यक्रम-पाठ्यचर्या

पाठ्यक्रम में सिद्धांत और प्रैक्टिकल-प्रशिक्षण सहित कुल 12 विषय शामिल हैं। अध्ययन सामग्री स्व-निर्देशक सामग्री के रूप में प्रदान की जाएगी और व्यावहारिक घटक अर्थात् प्रैक्टिकल-प्रशिक्षण एनआईओएस के मान्य प्रशिक्षण अध्ययन केंद्रों (एवीआई) पर प्रदान किया जाएगा।

प्रथम वर्ष के विषय			
क्र.सं.	**सैद्धान्तिक**	**क्र.सं.**	**प्रायोगिक**
01	योग का आधारभूत ज्ञान	04	योग अभ्यास (प्रायोगिक)
02	प्राकृतिक चिकित्सा का आधारभूत ज्ञान	05	प्राकृतिक चिकित्सा का व्यावहारिक प्रशिक्षण (प्रायोगिक)
03	मानव शरीर रचना, क्रिया विज्ञान और योग के प्रभाव	06	मानव शरीर रचना, क्रिया विज्ञान और योग के प्रभाव के प्रभाव (प्रायोगिक)
द्वितीय वर्ष के विषय			
01	01 यौगिक चिकित्सा	04	यौगिक चिकित्सा (प्रायोगिक)
02	02 प्राकृतिक चिकित्सा	05	प्राकृतिक चिकित्सा (प्रायोगिक)
03	03 अन्य प्राचीन प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियाँ	06	अन्य प्राचीन प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियाँ (प्रायोगिक)
•किसी प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र पर छः माह की इंटर्नशिप के दौरान अनुसंधान संबन्धित परियोजना पर कार्य			

*प्रशिक्षु इंटर्नशिप के दौरान अनुसंधान संबन्धित परियोजना **(किन्हीं 5 रोगों से संबन्धित रोगी पत्रक - patient case sheet)** पर कार्य करेंगे। जिसके अधिकतम अंक 200 होंगे। इसका मूल्यांकन एनआईओएस द्वारा नियुक्त, बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा। जिसका प्रमाणपत्र संबन्धित एवीआई (प्रशिक्षण केंद्र) और प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र के सौजन्य से प्राप्त होगा।

निर्देश का माध्यम - हिंदी और अंग्रेजी

अनुदेश योजनाः

- स्व-निर्देशित मुद्रित सामग्री
- एवीआई/अध्ययन केन्द्रों पर व्यक्तिगत सम्पर्क कक्षाएं एवं व्यावहारिक-प्रशिक्षण
- एनआईओएस से सजीव प्रसारण और श्रव्य-दृश्य सामग्री

मूल्यांकन और प्रमाणन की योजना

पाठ्यक्रम के दोनों घटकों (सैद्धान्तिक और व्यावहारिक) का मूल्यांकन किया जाएगा। अंतिम परिणाम की गणना करते समय आंतरिक आंकलन और इंटर्नशिप को भी ध्यान में रखा जाएगा। आकलन, मूल्यांकन और प्रमाणन की योजना एनआईओएस द्वारा डिजाइन दिशा-निर्देशों के माध्यम से कार्यान्वित की जाएगी। एनआईओएस अपने नियमों और विनियमों के अनुसार अंतिम प्रमाणपत्र प्रदान करेगा।

क्र.सं.	**प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान में डिप्लोमा पाठ्यक्रम**	**कोर्स कोड**	**अधिक अंक**	**समय (घंटे में)**	**सत्रीय कार्य अधिक अंक**	**कुल अंक**
प्रथम वर्ष						
1	योग का आधारभूत ज्ञान (सैद्धान्तिक)	811	70	3	30	100
2	प्राकृतिक चिकित्सा का आधारभूत ज्ञान (सैद्धान्तिक)	812	70	3	30	100
3	मानव शरीर रचना, क्रिया विज्ञान और योग के प्रभाव (सैद्धान्तिक)	813	70	3	30	100
4	योग अभ्यास (प्रायोगिक)	814	70	3	30	100
5	प्राकृतिक चिकित्सा का व्यावहारिक प्रशिक्षण (प्रायोगिक)	815	70	3	30	100
6	मानव शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान (प्रायोगिक)	816	70	3	30	100
योग						**600**

द्वितीय वर्ष						
1	यौगिक चिकित्सा (सैद्धान्तिक)	817	70	3	30	100
2	प्राकृतिक चिकित्सा (सैद्धान्तिक)	818	70	3	30	100
3	अन्य प्राचीन प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियाँ (सैद्धान्तिक)	819	70	3	30	100
4	यौगिक चिकित्सा (प्रायोगिक)	820	70	3	30	100
5	प्राकृतिक चिकित्सा (प्रायोगिक)	821	70	3	30	100
6	अन्य प्राचीन प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियाँ (प्रायोगिक)	822	70	3	30	100
कुल योग						**600**
महा योग						**1200**
इन्टर्नशिप के दौरान अनुसंधान संबन्धित परियोजना पर कार्य						**200**

पाठ्यक्रम शुल्क

पाठ्यक्रम का कुल शुल्क 30,000 रुपये है, जिसमें पाठ्यसामग्री, प्रक्रिया शुल्क आदि सम्मिलित है। परीक्षा में बैठने के लिए परीक्षा शुल्क एनआईओएस के नियमानुसार अलग से देय होगा। प्रवेश के दौरान अभ्यार्थी, प्रथम वर्ष में निर्धारित पाठ्यक्रम शुल्क 15,000 रुपये और द्वितीय वर्ष में 15,000 रुपये जमा करेंगे।

2

एनआईओएस स्तर पर उचित दिशा-निर्देश

2.1 प्रशिक्षुता (इंटर्नशिप)

जब कोई प्रशिक्षार्थी या नवनियुक्त पेशेवर व्यक्ति एक निर्धारित अवधि में व्यावहारिक कार्य का अनुभव प्राप्त करता है, उसे प्रशिक्षुता (इंटर्नशिप) कहा जाता है।

इंटर्नशिप, व्यावहारिक कार्य अर्थात विशेष प्रशिक्षण के अनुभव का एक महत्वपूर्ण चरण है जहां एक प्रशिक्षार्थी स्वतंत्र, बिना निगरानी वाले पर्यवेक्षण में अभ्यास के लिए कौशल और दक्षता हासिल करता है।

एनआईओएस द्वारा 'प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान में दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम देश भर में पिछले दो वर्ष से संचालित है। जिसमें छः माह की इंटर्नशिप शामिल है। पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य, योग और प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में लोगों को कुशल पेशेवर और निवारक विशेषज्ञ बनाना है। अतः प्रशिक्षितों को प्राकृतिक चिकित्सा और स्वास्थ्य देखभाल के लिए चिकित्सालयों में व्यावहारिक कार्य अर्थात विशेष प्रशिक्षण का अनुभव देकर इंटर्नशिप कराना है।

2.2 लक्ष्य

इंटर्नशिप कार्यक्रम का लक्ष्य, प्राकृतिक चिकित्सा के प्रशिक्षार्थियों को सहायक चिकित्सक के रूप में अपनी भूमिका निभाने हेतु प्रशिक्षित करना है, जो अपने अनुभव के साथ भविष्य में निवारक विशेषज्ञ के रूप में सक्षम हो सकेंगे।

2.3 उद्देश्य

इंटर्नशिप का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षितों को प्राकृतिक चिकित्सा और स्वास्थ्य देखभाल के लिए चिकित्सालयों में व्यावहारिक कार्य का अनुभव प्रदान कराना है। इस अवधि के अंत में प्रशिक्षु, सहायक प्राकृतिक चिकित्सक के रूप में उत्तरदायित्व निभाने और निम्नलिखित आवश्यक दक्षताओं को हासिल करने में सक्षम होंगे:

1. **रोगी का इतिवृत्त (Patient History) लेने में;**
2. **शारीरिक जांच करने में;**
3. **योग चिकित्सा प्रबंधन करने में;**
4. **पंच तत्व (आकाश तत्व, वायु तत्व, अग्नि तत्व, जल तत्व व पृथ्वी तत्व) संबन्धित चिकित्सा प्रबंधन करने में;**
5. **अन्य पूरक चिकित्सा पद्धतियों (एक्यूप्रेशर चिकित्सा, मुद्रा चिकित्सा आदि) के व्यावहारिक उपयोग में;**
6. **आजीवन सीखने वाले कौशल और ज्ञान की निरंतरता के लिए प्रतिबद्ध होने में;**
7. **उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध होने और रोगियों, समुदाय और पेशे के प्रति नैतिक रूप से उत्तरदायी और जवाबदेह होने में।**

2.4 इंटर्नशिप की अवधि: इंटर्नशिप की कुल अवधि छः महीने है। इस अवधि के दौरान अभ्यर्थी को अपनी इंटर्नशिप पूर्ण करनी आवश्यक है। प्रत्येक उम्मीदवार डीएनवाईएस के द्वितीय वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद, इंटर्नशिप करने का पात्र समझा जाएगा।

2.5 इंटर्नशिप पूर्ण करने की अवधि एवं आवश्यक नियम

1. इंटर्नशिप डीएनवाईएस के अंतिम वर्ष उत्तीर्ण करने के 2 वर्ष के अंदर पूर्ण की जाएगी, जिसे एनआईओएस के अधिकृत एवीआई प्राकृतिक चिकित्सालयों में ही किया जा सकेगा।

2. उचित कारणों को ध्यान में रखते हुए, इंटर्नशिप की न्यूनतम अवधि को एनआईओएस और एवीआई की सिफारिश पर उचित अवधि तक बढ़ाया जा सकता है, लेकिन यह निम्नांकित तक सीमित नहीं है:
   (i) उपस्थिति की अपर्याप्त अवधि
   (ii) आवश्यक योग्यता का असंतोषजनक अधिग्रहण
   (iii) मूल्यांकन पर असफल योग्यता
   (iv) भारत सरकार या ऐसा करने के लिए अधिकृत किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा अधिसूचित देश में आपदा या अप्रत्याशित स्थिति जैसी कोई आपात स्थिति।
3. प्रासंगिक प्राधिकारी के प्रचलित नियमों/विनियमों के अनुसार संस्थान द्वारा किसी भी समय इंटर्नशिप की अवधि को कम/अस्थायी रूप से निलंबित या यहां तक कि वापस/रद्द किया जा सकता है;
   (i) पंजीकरणकर्ता किसी भी कारण से अनिवार्य इंटर्नशिप नहीं करना चाहता है।
   (ii) यह पाया गया कि पंजीकरणकर्ता ने पात्रता आवश्यकताओं को पूरा नहीं किया है।
   (iii) अनुशासनहीनता के सिद्ध कृत्य हैं।
   (iv) पेशेवर दुष्कर्म/कदाचार के सिद्ध कृत्य हैं।
   (v) देश के कानून का उल्लंघन करने वाले सहित कोई अन्य कार्य/कार्रवाई इत्यादि।

उपर्युक्त कार्यवाही के कार्यान्वयन के लिए एवीआई सक्षम अधिकारी, डीन/प्रिंसिपल/निदेशक या कोई अन्य समकक्ष जिम्मेदार होगा।

2.6 अवकाश

1. सामान्य अवकाश
   (i) इंटर्नशिप की पूरी अवधि के दौरान इंटर्न को पूर्व अनुमति से अधिकतम 7 दिनों की अवकाश की अनुमति दी जा सकती है।
   (ii) किसी भी एक सप्ताह के दौरान 7 दिनों की पूरी अवधि का लाभ नहीं उठाया जा सकता/एक सप्ताह या एक महीने में 2 से अधिक अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा।
2. चिकित्सा अवकाश
   (i) चिकित्सा अवकाश सामान्य अवकाश के पंद्रह दिनों के भीतर शामिल किया जाएगा।
   (ii) इस अवधि के बाद किसी भी चिकित्सा अवकाश की सिफारिश केवल विधिवत गठित मेडिकल बोर्ड द्वारा की जाएगी।
3. यदि किसी भी प्रकार की अनुपस्थिति का अवकाश इस अवधि से अधिक हो जाती हैं तो इंटर्नशिप बढ़ा दी जाएगी।
   (i) विस्तार की अवधि अनुमेय 15 दिनों के अवकाश से अधिक की अवधि के बराबर होगी।
   (ii) इंटर्नशिप केवल उस विभाग/ विशेषता में दोहराई जाएगी जहां उपरोक्त विस्तार आवश्यक है।

2.7 वेतन

इंटर्नशिप के दौरान प्रशिक्षु एनआईओएस की ओर से किसी भी प्रकार के वेतन, भत्ते, चिकित्सा अथवा अन्य किसी प्रकार के दावे के लिए हकदार नहीं होगा।

2.8 इंटर्नशिप शुल्क

इंटर्नशिप के लिए किसी भी प्रकार के शुल्क का कोई प्रावधान नहीं है।

एवीआई / प्रशिक्षण केंद्र हेतु आवश्यक दिशा निर्देश

'प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान में दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम एक महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम है, जिसका मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षार्थियों को प्रशिक्षित करना है। राष्ट्रीय स्तर पर विकसित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के विकास में प्रतिष्ठित योग संस्थानों, विश्वविद्यालयों, और केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार का विशेष सहयोग रहा है। पाठ्यक्रम-पाठ्यचर्या देश भर में एक जैसी अर्थात समान हो, संदर्भित प्राचीन ग्रन्थों के साथ परम्परागत योग हो और आधुनिक परिवेश को ध्यान में रखते हुए, विषय विशेषज्ञों ने इस पाठ्यक्रम को विकसित किया है।

एनआईओएस का यह प्रयास है कि, इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत, अपने प्रशिक्षण केन्द्रों के माध्यम से एक अद्वितीय प्रशिक्षण सम्पन्न करा कर प्रशिक्षुता अर्थात इंटर्नशिप कराई जाए ताकि इस व्यावहारिक अनुभव के दौरान, प्रशिक्षु को दक्ष बनाया जा सके और वह बेहतर चिकित्सा करने में प्रभावी रूप से सक्षम हो।

एनआईओएस के सभी प्रशिक्षण केंद्र, इस इंटर्नशिप को अधिक से अधिक प्रभावी एवं सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे और निम्नांकित दिशा-निर्देशों का भी पालन करेंगे:

1. **इंटर्नशिप / कार्यशाला की तिथियों व समय की पूर्व सूचना व जानकारी**
   - इंटर्नशिप प्रारम्भ करने से पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र अथवा चिकित्सालय द्वारा प्रशिक्षुओं को सूचना दी जाए।
   - प्रशिक्षण केन्द्र अथवा चिकित्सालय द्वारा सभी प्रशिक्षुओं के लिए एक ड्यूटी शिड्यूल तैयार किया जाए।
   - उक्त शिड्यूल की सूचना व्यावसायिक शिक्षा विभाग, एनआईओएस को भी प्रदान की जाए।
2. **ओरिएंटेशन प्रोग्राम**
   - प्रथम दिन प्रशिक्षुओं के लिए एक ओरिएंटेशन प्रोग्राम कराया जाए, जिसमें सभी दिशा-निर्देशों से अवगत करा दिया जाए।
   - इस प्रोग्राम में यह ड्यूटी शिड्यूल उन्हें दिया जाएगा, जिसके अनुसार चिकित्सालय में प्रशिक्षु कार्य करेंगे।
3. **रिकॉर्ड करने और केस अध्ययन**
   - प्रशिक्षुओं को प्रत्येक सप्ताह में किए गए कार्य को रिकॉर्ड करने और केस अध्ययन के अनुसार उपयुक्त फाईल तैयार करनी है, **जिसमें कम से कम किन्हीं 5 रोगों पर, रोगी पत्रक (patient case sheet) तैयार करना आवश्यक है, जो डिप्लोमा प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र के साथ संलग्न करने होंगे।** अत: उक्त कार्य के लिए चिकित्सालय के प्रबन्धक, प्राचार्य या प्रभारी इस कार्य के लिए सप्ताह में एक दिन अवकाश (सुविधानुसार) प्रदान कर सकते हैं।
   - इंटर्नशिप के दौरान प्रशिक्षु, अपने संदेह, समस्या और कठिन विषयों का निराकरण, अपने प्रभारी चिकित्सक अथवा वरिष्ठ चिकित्सक से कर सकते हैं।

4. **प्रशिक्षुता के दौरान विशेष व्यावहारिक दक्षता हेतु आवश्यक निर्देश**
   - इंटर्नशिप के दौरान थिरेपिस्ट और चिकित्सक, सर्वप्रथम प्रशिक्षु को चिकित्सा से पूर्व की तैयारी करने का कौशल सिखाएँगे। इसके उपरांत तकनीशियन और थिरेपिस्ट के साथ मिलकर, प्रशिक्षु यह अनुभव स्वयं करेंगे।
   - चिकित्सालय की अलग अलग चिकित्सा यूनिट, अनुभागों अथवा विभागों जैसे जल चिकित्सा, मिट्टी चिकित्सा, अग्नि चिकित्सा, एक्यूप्रेशर चिकित्सा, मुद्रा चिकित्सा, मसाज थिरेपी, डाइट थिरेपी आदि में ड्यूटी लगाकर व्यावहारिक अनुभव के कौशल विकसित किए जाएंगे।
   - चिकित्सा संबन्धित विभिन्न थिरेपी, संबन्धित थिरेपिस्ट और चिकित्सकों द्वारा सिखाई जाएगी, जिसके उपरांत प्रशिक्षु संबन्धित थिरेपिस्ट और चिकित्सकों की देखरेख में चिकित्सा दे सकेंगे।

- आवश्यकतानुसार कार्यशालाओं का आयोजन कराया जा सकता है।
- इसमें प्रशिक्षु की 90% उपस्थिति अनिवार्य होगी।

5. आवासीय प्रशिक्षण

- जो प्रशिक्षु आवासीय प्रशिक्षुता लेने में रुचि रखते हैं, वे प्रशिक्षण केंद्र में रहकर प्रशिक्षुता कर सकते हैं। प्रशिक्षण केंद्र में रहकर प्रशिक्षुता करने के लिए प्रशिक्षु को बाध्य नहीं किया जाए। इस स्थिति में सभी आवश्यक संसाधन व सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रशिक्षण केन्द्र, प्रशिक्षु से बनी आपसी सहमति के अनुसार सांकेतिक शुल्क ले सकते हैं।

6. प्रशिक्षुता के दौरान प्रशिक्षुओं के पास निम्नांकित सामग्री होना आवश्यक है;

(i) एक एप्रन अर्थात सफ़ेद रंग का कोट
(ii) एक पेन व रिकॉर्ड के लिए डायरी
(iii) प्राथमिक उपचार बॉक्स
(iv) थर्मामीटर
(v) स्टेथोस्कोप
(vi) बी पी यंत्र आदि।

7. इंटर्नशिप के दौरान जलपान एवं भोजन की व्यवस्था

- यह सुविधा प्रशिक्षण केंद्र और **प्रशिक्षुओं** के आपसी समन्वय द्वारा की जा सकती है।
- एनआईओएस द्वारा इस पर किसी प्रकार का शुल्क व मेन्यू बाध्य नहीं है।
- एवीआई और **प्रशिक्षु** परस्पर एक मैस कमेटी गठित कर इस सुविधा का संचालन कर सकते हैं।

8. प्रशिक्षु का मूल्यांकन एवं सर्टिफिकेट

(i) आंतरिक मूल्यांकन

- प्रशिक्षण केंद्र प्रशिक्षुओं के अनुभव की रिपोर्ट तैयार करेगा, जिससे उसमें प्रति माह आवश्यक सुधार किया जा सके और प्रोत्साहन दिया जा सके। यह रिपोर्ट उसके मूल्यांकन में सहायक होगी।
- प्रशिक्षुता के दौरान व्यावहारिक दक्षता हेतु दिशानिर्देश तथा आंतरिक मूल्यांकन आदि सभी प्रक्रियाओं का समुचित आयोजन व निपटान का उत्तरदायित्व प्रशिक्षण केंद्र का है।
- प्रशिक्षण केंद्र किसी भी संबंधित जानकारी और समस्या समाधन के लिए कार्यक्रम समन्वयक व संबंधित विभाग और एनआईओएस से संपर्क कर सकता है।
- प्रशिक्षुता के दौरान प्रशिक्षुओं की उपस्थिति का रिकॉर्ड, प्रशिक्षण केंद्र में रखा जाएगा जो ऑनलाइन वाइवा से पूर्व, कार्यक्रम समन्वयक, संबंधित विभाग और एनआईओएस को उपलब्ध कराया जाएगा।

(ब) बाह्य मूल्यांकन

- इंटर्नशिप पूरी होने पश्चात एवीआई समन्वयक और कार्यक्रम संयोजक या फ़ैकल्टी द्वारा नामित विशेषज्ञ प्राकृतिक चिकित्सक द्वारा प्रशिक्षार्थी का ऑनलाइन वाइवा लिया जाए और एवीआई या चिकित्सालय से प्राप्त इंटर्नशिप प्रोफॉर्मा के आधार पर उचित ग्रेड तय किया जाए।

- एवीआई प्रशिक्षण केन्द्र या निर्धारित प्राकृतिक चिकित्सालय द्वारा प्रशिक्षार्थी को इंटर्नशिप का एक प्रमाण-पत्र दिया जाएगा, इस पर एवीआई की प्राकृतिक चिकित्सा फ़ैकल्टी प्रमुख अथवा चिकित्सक और इंटर्नशिप कराने वाले प्राकृतिक चिकित्सालय के चिकित्सा प्रमुख के हस्ताक्षर होने आवश्यक होंगे।

4
प्रशिक्षुओं से संबन्धित दिशा-निर्देश

प्रशिक्षुओं के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश इस प्रकार हैं -

- प्रशिक्षु इंटर्नशिप के आयोजन, समय, तिथि आदि की जानकारी के लिए अपने केंद्र के संपर्क में रहें।
- संबंधित समस्या के लिए अपने केंद्र से जानकारी प्राप्त करें।
- प्रशिक्षु इंटर्नशिप के दौरान अपनी नोटबुक साथ लाएँ और आवश्यक जानकारी उसमें अंकित करें।
- इंटर्नशिप के दौरान प्रशिक्षु अपना एप्रेन पहनें और नियमित, समय से चिकित्सालय पहुंचें।
- प्रशिक्षु का इंटर्नशिप में प्रतिदिन अपनी आवश्यक सामग्री लेकर आना अनिवार्य है।
- प्रशिक्षु, प्रशिक्षण केंद्र और चिकित्सालय के नियमों का पालन करें।
- शिक्षक द्वारा दिए गए अनुदेशों का पालन करें।
- अनुशासन में रहें और अनुशासन बनाए रखने में सहयोग करें।
- अनुशासनहीनता में लिप्त होने पर कार्यक्रम संयोजक/प्राचार्य/चिकित्सक द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।
- प्रशिक्षु को इंटर्नशिप में यदि कोई भी असुविधा हो तो वह केंद्र समन्वयक से संपर्क कर सकता है।
- **अपनी रिकॉर्ड नोट बुक तैयार करें। इसी में किन्हीं 5 रोगों पर रोगी पत्रकों को भरने के लिए आवश्यक बिन्दु नोट करें।**
- इंटर्नशिप के दौरान हमारा पहनावा और वेशभूषा बहुत ही महत्वपूर्ण है। इसलिए सफ़ेद रंग की एप्रन या कोट अवश्य पहनें।
- कार्य के समय घड़ी व अन्य कीमती आभूषण या उपकरण उतार कर सुरक्षित रखें।
- मोबाइल फोन को ध्वनि रहित अर्थात साइलेंट मोड पर रखें।
- प्रशिक्षु अपने अनुभव की रिपोर्ट तैयार करें। यह रिपोर्ट आपके मूल्यांकन में सहायक होगी।
- व्यावहारिक दक्षता हेतु प्रशिक्षण केंद्र से दिये जाने वाले दिशानिर्देश तथा आंतरिक मूल्यांकन आदि पर विशेष ध्यान दें।
- किसी भी संबंधित जानकारी और समस्या समाधन के लिए आप अपने केंद्र, कार्यक्रम समन्वयक व संबंधित विभाग या एनआईओएस से संपर्क कर सकते हैं।
- प्रशिक्षु, अपने प्रशिक्षण केंद्र के चिकित्सालय पर इंटर्नशिप पूरी करेंगे, किन्तु किसी विशेष परिस्थिति में उन्हें केन्द्र समन्वयक और एनआईओएस कार्यक्रम संयोजक द्वारा अन्य प्रशिक्षण केंद्र / चिकित्सालय पर इंटर्नशिप की स्वीकृति दी जा सकती है।

5

इंटर्नशिप कराने वाले चिकित्सालयों हेतु दिशा-निर्देश

प्रोफेशनल कार्यक्रमों में पहले से ही इंटर्नशिप की काफी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इंटर्नशिप कराने वाले चिकित्सालय में जितना बेहतर गुणवत्ता का व्यावहारिक अनुभव प्रशिक्षु को मिलता है, वह उतनी ही बेहतर दक्षता हासिल करता है। अत: यह स्पष्ट है कि, इंटर्नशिप में इंटर्नशिप कराने वाले इन चिकित्सालयों का बहुमूल्य योगदान है। ये चिकित्सालय, इनकी फ़ैकल्टी और स्टाफ, एक प्रशिक्षु को बेहतर एवं प्रभावी चिकित्सा कर पाने के लिए सक्षम बनाते हैं। इसलिए प्रत्येक प्रशिक्षु के मन में भी इंटर्नशिप कराने वाले इन चिकित्सालयों, इनकी फ़ैकल्टी और स्टाफ के प्रति आदर की भावना होनी चाहिए। साथ ही इन चिकित्सालयों की फ़ैकल्टी और स्टाफ की भी पूरी ज़िम्मेदारी है कि वे अपने प्रशिक्षुओं के लिए, इंटर्नशिप को प्रभावी एवं सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएं व एनआईओएस के निम्नांकित दिशा-निर्देशों के अनुरूप निम्नांकित नियमों का अनुपालन कराएं;

1. **इंटर्नशिप की तिथियों व समय की उचित जानकारी एवं निर्देश**
    - प्रशिक्षण केन्द्रों से प्राप्त प्रशिक्षुओं की सूची और ड्यूटी शिड्यूल के अनुसार, चिकित्सालय अपने विभिन्न थिरेपी अनुभागों में नियुक्ति करेंगे।
    - प्रत्येक प्रशिक्षु का ड्यूटी शिड्यूल चिकित्सा विभाग के प्रशासनिक कार्यालय में होना चाहिए ताकि प्रबंधन को भी इसकी जानकारी हो।
    - इंटर्नशिप के दौरान थिरेपिस्ट और चिकित्सक, सर्वप्रथम प्रशिक्षु को चिकित्सा से पूर्व की तैयारी करने का कौशल सिखाएँगे। इसके उपरांत तकनीशियन और थिरेपिस्ट के साथ मिलकर, प्रशिक्षु यह अनुभव स्वयं करेंगे।
    - चिकित्सालय की अलग अलग चिकित्सा यूनिटों, अनुभागों अथवा विभागों जैसे जल चिकित्सा, मिट्टी चिकित्सा, अग्नि चिकित्सा, एक्यूप्रेशर चिकित्सा, मुद्रा चिकित्सा, मसाज थिरेपी, डाइट थिरेपी आदि में ड्यूटी लगाकर व्यावहारिक अनुभव के कौशल विकसित किए जाएंगे।
    - चिकित्सा संबन्धित विभिन्न थिरेपी, संबन्धित थिरेपिस्ट और चिकित्सकों द्वारा सिखाई जाएगी, जिसके उपरांत प्रशिक्षु संबन्धित थिरेपिस्ट और चिकित्सकों की देखरेख में चिकित्सा दे सकेंगे।
    - आवश्यकतानुसार कार्यशालाओं का आयोजन कराया जा सकता है।
    - इसमें प्रशिक्षु की 90% उपस्थिति अनिवार्य होगी।

2. **इंटर्नशिप ड्यूटी के दौरान चिकित्सा से पूर्व तैयारी से लेकर नेचुरोपैथी की सभी चिकित्साओं का व्यावहारिक अनुभव**
    - इंटर्नशिप ड्यूटी के दौरान एक प्रशिक्षु को नेचुरोपैथी की निम्नांकित चिकित्साओं का व्यावहारिक अनुभव अनिवार्य रूप से दिया जाए;
        - **चिकित्सा से पूर्व तैयारी**
        - **योग चिकित्सा;** षट्कर्म, आसन, प्राणायाम, ध्यान आदि संबन्धित सभी तकनीक ।
        - **जल चिकित्सा संबन्धित सभी तकनीक;** जैसे एनिमा, कटि स्नान आदि।
        - **मिट्टी चिकित्सा संबन्धित सभी तकनीक;** जैसे मिट्टी की पट्टी, पंक स्नान आदि।
        - **सूर्य चिकित्सा संबन्धित सभी तकनीक;** जैसे सूर्य स्नान, वाष्प आदि।
        - **रंग चिकित्सा;** जैसे विभिन्न रंगों द्वारा आवेशित जल, शर्करा तेल आदि।
        - **अभ्यंग (मालिश) चिकित्सा**
        - **एक्यूप्रेशर**
        - **मुद्रा** आदि

3. आवासीय सुविधा

- इंटर्नशिप के दौरान आवासीय सुविधा के लिए प्रशिक्षण केन्द्रों के समान नियम लागू होंगे।

4. प्रशिक्षुता के दौरान प्रशिक्षुओं के पास निम्नांकित सामग्री होना आवश्यक है;

i. एक सफ़ेद एप्रन अर्थात सफ़ेद रंग का कोट
ii. एक पेन व रिकॉर्ड के लिए डायरी
iii. प्राथमिक उपचार बॉक्स
iv. थर्मामीटर
v. स्टेथोस्कोप
vi. बी पी यंत्र आदि।

5. इंटर्नशिप के दौरान जलपान एवं भोजन की व्यवस्था

- यह सुविधा प्रशिक्षण केंद्र और **प्रशिक्षुओं** के आपसी समन्वय द्वारा की जा सकती है।
- एनआईओएस द्वारा इस पर किसी प्रकार का शुल्क व मेन्यू बाध्य नहीं है।
- एवीआई और **प्रशिक्षु** परस्पर एक मैस कमेटी गठित कर इस सुविधा का संचालन कर सकते हैं।

6. प्रशिक्षु का मूल्यांकन एवं सर्टिफिकेट

(i) आंतरिक मूल्यांकन

- चिकित्सालय प्रशिक्षुओं के अनुभव की रिपोर्ट तैयार करेगा, जिससे उसमें प्रति माह आवश्यक सुधार किया जा सके और प्रोत्साहन दिया जा सके। यह रिपोर्ट उसके मूल्यांकन में सहायक होगी।
- प्रशिक्षुता के दौरान व्यावहारिक दक्षता हेतु दिशानिर्देश तथा आंतरिक मूल्यांकन आदि सभी प्रक्रियाओं का समुचित आयोजन व निपटान का उत्तरदायित्व प्रशिक्षण केंद्र और चिकित्सालय दोनों का है।
- चिकित्सालय किसी भी संबंधित जानकारी और समस्या समाधन के लिए प्रशिक्षण केंद्र के समन्वयक और कार्यक्रम समन्वयक से संपर्क कर सकता है।
- प्रशिक्षुता के दौरान प्रशिक्षुओं की उपस्थिति का रिकॉर्ड, चिकित्सालय में भी रखा जाएगा जिसे प्रशिक्षण केंद्र को उपलब्ध कराया जाएगा।
- **इंटर्नशिप के पश्चात निर्धारित प्राकृतिक चिकित्सालय द्वारा प्रशिक्षु का उपस्थिती पत्रक और उसका गुणात्मक मूल्यांकन ग्रेड उत्तम/बहुत अच्छा/अच्छा/संतोषजनक/खराब दिया जाएगा।**

प्रशिक्षुता हेतु आवेदन पत्र
Application for Internship

Enrollment No. .....

1. नाम (पूरा स्पष्ट अक्षरों में) .....
   Name (In full, in Block Letters).....
2. पिता/पति का नाम .....
   Father's/Husband's Name.....
3. उम्र/Age ..... लिंग/Sex.....
4. जन्मतिथि/Date of Birth .....
5. पता/Address कार्यालय / Office ..... निवास/Residence.....
6. फोन/Telephone .....
7. एवीआई का नाम व पता (AVI Name & Address)
   .....
8. एवीआई कोड (AVI Code)
   .....
9. 2 फोटो (पासपोर्ट साइज)/**Two Photos (passport size)**
10. प्रथम-द्वितीय वर्ष की अंकतालिका की फोटोकॉपी/Photocopy of mark sheets of 1st and 2nd year
11. एनआईओएस द्वारा जारी पहचान-पत्र की फोटोकॉपी/Photocopy of I-Card issued by NIOS

दिनांक Date: .....

स्थान Place: .....

संलग्नक Encl.: .....

Signature of applicant

आवेदक के हस्ताक्षर

रोगी उपचार / इतिहास पत्रक के लिए सुझावित प्रोफॉर्मा
Suggested Proforma Patient Case Sheet

(1) रोगी का नाम (Name of the patient).....लिंग (Sex).....उम्र(Age) .....

(2) वैवाहिक स्थिति (Marital Status) .....

(3) पूरा पता (Address)

.....

(4) वर्तमान रोग (Present disease)

.....

.....

(5) पूर्व रोगों का इतिहास (Previous history of diseases)

.....

.....

.....

(6) पारिवारिक इतिहास (Family History)

.....

.....

(7) मासिक धर्म/प्रसूति संबन्धित इतिहास (केवल महिलाओं के लिए)
(Menstrual and Obs. history (only for females)

.....

.....

(8) रोगी की शारीरिक स्थिति (Physical condition of patient)

a. भार (Weight)..... कि. ग्राम (K.gm.) b. ऊंचाई (Height).....सेंटीमीटर (c.m.)

c. रक्तचाप B.P. .....Hg/m.m. d. नाड़ी गति (Pulse rate).....प्रतिमिनट (Per minute)

e. श्वास गति (Respiratory rate)..... प्रतिमिनट (Per minute)

f. पेट तथा जीभ की स्थिति (Condition of Abdomen & Tongue) .....

(9) रोग के अन्य लक्षण (Other symptoms of Disease)

.....

.....

(10) उपचार (Treatment):- जल चिकित्सा, मिट्टी चिकित्सा, वायु चिकित्सा, सूर्य किरण चिकित्सा, मालिश, योगासन, षट क्रियाएँ आदि जो भी दिया गया है, उसका विवरण :- Details of Hydro therapy, Chromo therapy Massage, Yogasan, Shatkriya etc.

.....

.....

(11) आहार चिकित्सा:- उपवास, रसाहार, फलाहार आहार आदि जो भी प्रयोग किया हो उसका पूर्ण विवरण
Diet Therapy: Fast, Juice therapy, Fruit, Meal etc. treatment with full detail

.....

.....

(12) परिणाम (Result) .....

चिकित्सक के हस्ताक्षर /Sign. of Doctor

आवेदन का प्रारूप

डिप्लोमा हेतु आवेदन पत्र
Application for Diploma

Enrollment No. .....

1. नाम (पूरा स्पष्ट अक्षरों में) **Name (In full, in Block Letters)**
   .....
2. पिता/पति का नाम **Father's/Husband's Name**
   .....
3. उम्र / Age.....लिंग/Sex.....
4. जन्मतिथि **/Date of Birth** .....
5. पता / **Address** कार्यालय / **Office** ..... निवास/**Residence**.....
6. फोन / **Telephone** .....
7. एवीआई का नाम व पता (AVI Name & Address)
   .....
8. एवीआई कोड (AVI Code)
   .....
9. **5 रोगियों का रोगी पत्रक व विवरण (5 patients case sheet on separate sheets)**
10. 2 फोटो (पासपोर्ट साइज)/**Two Photos (passport size)**
11. प्रथम-द्वितीय वर्ष की अंकतालिका की फोटोकॉपी/Photocopy of mark sheets of 1st and 2nd year
12. एनआईओएस द्वारा जारी पहचान-पत्र की फोटोकॉपी/Photocopy of I-Card issued by NIOS
13. छः महीने के इंटर्नशिप समापन प्रमाण-पत्र की फोटोकॉपी (Photocopy of 6 months Internship completion certificate)

दिनांक Date: .....

स्थान Place: .....

संलग्नक Encl.: .....

आवेदक के हस्ताक्षर

Signature of applicant

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
NATIONAL INSTITUTE OF OPEN SCHOOLING
आईएसओ 9001 : 2015 प्रमाणित/ISO 9001 : 2015 Certified
(स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्था)
(An autonomous Institution under Deptt. of SE&L, Ministry of Education (MoE), Govt. of India)

F-112(6)/2020/NIOS/VE/IDY-9 Dated: 19.02.2024

Notification – 4/2024

NIOS is offering a two year Diploma Programme in Naturopathy and Yoga Science (DNYS; 811-822) in which internship is an integral Component for strengthening the training and skill development. For conduct of the internships, detailed Standard Operating Procedures (SOPs) have been developed and are available on NIOS website. The SOPs have the following Components;

1. Introduction and Course conduction
2. Appropriate guidelines at NIOS level
3. Necessary guidelines for AVI/Training Center
4. Guidelines related to the trainees
5. Guidelines for AVI/Training Center's hospitals conducting the internship

In the light of the above Standard Operating Procedures (SOPs), instructions are hereby issued to the respective AVIs (Training Centres) of NIOS to conduct the internship for the registered learners.

19 Feb 2024
(Lt. Col. Kailash Bansal)
Director (Vocational Education)

Copy:

1. All Head of the Departments
2. PA to Office of the Chairperson (for kind information to Chairperson)
3. All Regional Directors - For needful.
4. SA/P (for uploading on website for information to all concerned)
5. File Copy

Standard Operating Procedures (SOPs)
for internship in
Diploma in Naturopathy and Yoga Science

National Institute of Open Schooling

(An autonomous institute under Ministry of Education, Government of India)

A – 24-25, Sector – 62, Institutional Area, Noida (Uttar Pradesh)

National Institute of Open Schooling
(Vocational Education Department)

Standard Operating Procedures (SOPs) for conducting the internship under Diploma Programme in Naturopathy and Yoga Science

NIOS has been running a two-year Diploma course in Naturopathy and Yoga Science across the country for the last two years. Even in a short span the course has gained popularity. Hence the demand for its training is also increasing in the society today. Even in the National Education Policy 2020, special attention has been given to vocational training and skill development. Therefore, NIOS is taking progressive steps towards further strengthening the training and skill development in its professional courses.

The main objective of the Diploma course in Naturopathy and Yoga Science is to make students skilled professionals as well as preventive experts in the field of Yoga and Naturopathy. After completing the course, these trainees will be able to practice natural lifestyle and health promotion. They shall also acquire skills and competencies for proper management of lifestyle and other diseases through various techniques of Yoga and Naturopathy. For this purpose, a special provision for internship has been made in this course.

When a trainee or newly appointed professional gets practical work experience for a stipulated period, it is called internship.

Internship is an important stage of practical work i.e. a specialized training experience where a trainee acquires skills and competencies on practical lines, independently. Trainees of 'Naturopathy and Yoga Science' course of NIOS will complete six months of practical work experience i.e. internship in the hospital of their training centre. After successful completion of internships period, a certificate of experience shall be given to the trainees.

For the trainees of this course, it will be a regular internship of six months in Naturopathy Hospital. For conducting the internship of the said Diploma course, detailed, simple, clear and effective Standard Operating Procedures (SOPs) have been designed. The SOP states the guidelines in clear terms. The Standard Operating Procedure is divided into five parts:-

1. Introduction and Course Conduction

2. Appropriate guidelines at NIOS level

3. Necessary guidelines for AVI/Training Center

4. Guidelines related to the trainees

5. Guidelines for hospitals conducting internship

(The Standard Operating Procedures (SOPs) may be revised from time to time as needed in future)

1
Introduction and Course Conduction

In the field of Naturopathy as well as Yoga, Diploma in Naturopathy and Yoga Science is an important course. This course has been developed for all those who are interested in the field of Yoga and Naturopathy, and are willing to work as professionals. Since ancient times, human being has been in close contact with nature, where he/she has learned the art of living a healthy life by incorporating nature into his/ her lifestyle. Today, in order to live a healthy life, the need to align with naturopathy & yoga is even more important.

Due to fast faced modern lifestyle and drastic change in eating habits, lifestyle related diseases like obesity, high blood pressure, heart disease, diabetes etc. are increasing rapidly. Medicines too have their side effects. Hence, people are increasingly getting attracted towards naturopathy and other alternative medical methods to maintain good health, prevent, and cure diseases. Therefore, in today's society, there is a special demand for formal learning in the areas of Yoga and Naturopathy. Keeping this special demand in mind, National Institute of Open Schooling (NIOS) has launched this vocational course through its authorized training centers.

Objectives

The main objective of the course is to make people skilled professionals, and preventive experts in the field of Yoga and Naturopathy. After completing the course, the trainee will be able to acquire skills and proficiency in the following –

- **Understanding the relevance of Yoga and Naturopathy;**
- **Understand the need and importance of health-awareness, cleanliness, and diet;**
- **To be able to understand yoga philosophy and action science;**
- **Comprehend the principles, and five elements of Yoga and Naturopathy;**
- **To learn and apply the concepts of natural lifestyle;**
- **Learn health promotion, management of common infections and lifestyle diseases including disease prevention and control during emergency situations;**
- **To have basic knowledge of human anatomy and physiology;**
- **Applying applications of the integrative approach of yoga;**
- **To provide treatment of various disorders and diseases through Naturopathy;**
- **To explain the effect of yoga on the human body, and mind.**

Eligibility Criteria

- **Minimum 12th class or equivalent from any recognized board, Or**
- **One year certificate or diploma in Yoga and Naturopathy from NIOS or any recognised institute, university. Such students can take direct admission in the second year of the course.**
- **Minimum Age – 18 years**

Target Group

Aspirants working in the field of Yoga and Naturopathy, learners who aspire to become skilled professionals, and preventive specialists.

Job Opportunities

After completing the course, successful candidates can work as assistant physician or equivalent in yoga institutes, yoga centers, health clubs, naturopathy clinics, and other ancient medical system centers etc.

Duration of the Course

Course Duration: Two Years, including six months for Internship (Total Study Hours = 2400)

Course Curriculum

The course consists in total 12 subjects including theory and practical training. The study material will be provided as self-instructional material. There is also a practical component i.e. practical-training will be provided at the recognized training study centers (AVIs) of NIOS.

प्रथम वर्ष के विषय (Subjects for First Year)			
क्र.सं.	**सैद्धान्तिक (Theory)**	**क्र.सं.**	**प्रायोगिक (Practical)**
01	योग का आधारभूत ज्ञान (Basic Knowledge of Yoga)	04	योग अभ्यास (प्रायोगिक) (Yoga Practices - Practical)
02	प्राकृतिक चिकित्सा का आधारभूत ज्ञान (Basic Knowledge of Naturopathy)	05	प्राकृतिक चिकित्सा का व्यावहारिक प्रशिक्षण (प्रायोगिक) Practical Training of Naturopathy - Practical
03	मानव शरीर रचना, क्रिया विज्ञान और योग के प्रभाव (Human Anatomy, Physiology & Effect of Yoga)	06	मानव शरीर रचना, क्रिया विज्ञान और योग के प्रभाव के प्रभाव (प्रायोगिक) Human Anatomy, Physiology & Effect of Yoga - Practical
द्वितीय वर्ष के विषय (Subjects for Second Year)			
01	यौगिक चिकित्सा (Yoga Therapy)	04	यौगिक चिकित्सा (प्रायोगिक) (Yoga Therapy - Practical)
02	प्राकृतिक चिकित्सा (Naturopathy)	05	प्राकृतिक चिकित्सा (प्रायोगिक) (Naturopathy - Practical)
03	अन्य प्राचीन प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियाँ (Other Ancient Natural Therapies)	06	अन्य प्राचीन प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियाँ (प्रायोगिक) (Other Ancient Natural Therapies - Practical)
•किसी प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र पर इंटर्नशिप के दौरान अनुसंधान संबन्धित परियोजना पर कार्य (Project work related to research during internship at a Naturopathy Center)			

*The trainee will work on a research related project (patient case sheet related to any 5 diseases) during the internship. The maximum marks will be 200. It will be evaluated by an external examiner appointed by NIOS. The certificate for the same will be obtained from the concerned AVI (Training Centre) and Naturopathy Centre.

Medium of instruction – Hindi and English

Instruction Plan

- Self-directed printed materials
- Personal contact classes and practical-training at AVI/Study Centers.
- Live broadcast and audio-visual material from NIOS

Assessment and Certification Scheme

The trainee will be assessed on both components of the course: theory and practical. Internal assessment and internship will also be taken into account while calculating the final result. The scheme of assessment, evaluation and certification will be implemented through guidelines designed by NIOS. NIOS will also grant the final certificate as per its rules and regulations.

क्र.सं.	प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग विज्ञान में डिप्लोमा पाठ्यक्रम	कोर्स कोड	अधिक अंक	समय (घंटे में)	सत्रीय कार्य अधिक अंक	कुल अंक
प्रथम वर्ष (First Year)						
1	योग का आधारभूत ज्ञान (सैद्धान्तिक) Basic Knowledge of Yoga (Theory)	811	70	3	30	100
2	प्राकृतिक चिकित्सा का आधारभूत ज्ञान (सैद्धान्तिक) Basic Knowledge of Naturopathy (Theory)	812	70	3	30	100
3	मानव शरीर रचना, क्रिया विज्ञान और योग के प्रभाव (सैद्धान्तिक) Human Anatomy, Physiology & Effect of Yoga (Theory)	813	70	3	30	100
4	योग अभ्यास (प्रायोगिक) Yoga Practices (Practical)	814	70	3	30	100
5	प्राकृतिक चिकित्सा का व्यावहारिक प्रशिक्षण (प्रायोगिक) Practical Training of Naturopathy (Practical)	815	70	3	30	100
6	मानव शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान (प्रायोगिक) Human Anatomy, Physiology & Effect of Yoga (Practical)	816	70	3	30	100
योग (Total)						**600**
द्वितीय वर्ष (Second Year)						
1	यौगिक चिकित्सा (सैद्धान्तिक) Yoga Therapy (Theory)	817	70	3	30	100
2	प्राकृतिक चिकित्सा (सैद्धान्तिक) Naturopathy (Theory)	818	70	3	30	100
3	अन्य प्राचीन प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियाँ (सैद्धान्तिक) Other Ancient Natural Therapies (Theory)	819	70	3	30	100
4	यौगिक चिकित्सा (प्रायोगिक) Yoga Therapy (Practical)	820	70	3	30	100
5	प्राकृतिक चिकित्सा (प्रायोगिक) Naturopathy (Practical)	821	70	3	30	100
6	अन्य प्राचीन प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियाँ (प्रायोगिक) Other Ancient Natural Therapies (Practical)	822	70	3	30	100
योग (Total)						**600**
कुल						**1200**
इन्टर्नशिप के दौरान अनुसंधान संबन्धित परियोजना पर कार्य						**200**

Course Fee

The total fee of the course is Rs 30,000. It includes course material, processing fee etc. Examination fee for appearing in the examination will be payable separately as per NIOS rules. As a part of the admission process, the candidates will deposit course fee of Rs. 15,000 in the first year, and remaining Rs. 15,000 in the second year.

2
Appropriate Guidelines at NIOS Level

2.1 Internship

When a trainee or newly appointed professional gets practical work experience for a stipulated period, it is called internship.

Internship is an important stage of practical work i.e. a specialized training experience where a trainee acquires skills and competencies on practical lines, independently.

NIOS has been running a two-year Diploma course in Naturopathy and Yoga Science across the country for the last two years. It also includes six months internship. The main objective of the course is to make learners skilled professionals and preventive experts in the field of Yoga and Naturopathy. Therefore, the trainees have to undergo internship, thereby giving them practical experience by special training in hospitals for naturopathy and health care.

2.2 Target

The aim of the internship program is to train Naturopathy trainees to take up their role as paramedics, who with their experience will be able to become preventive specialists in the future.

2.3 Objectives

The main objective of internship is to provide trainees with practical work experience in clinics for naturopathy and health care. At the end of this period the trainee will be able to perform responsibilities as an Assistant Naturopath and shall acquire the following essential competencies:

1. Taking patient history;
2. Carrying out physical examination;
3. Managing Yoga therapy;
4. Managing the treatment related to the five elements (sky, air, fire, water and earth);
5. The practical use of other complementary medical methods (acupressure therapy, Mudra therapy etc.);
6. In being committed to the continuation of lifelong learning skills and knowledge;
7. To be committed to excellence and to be ethically responsible and accountable to patients, the community and the profession.

2.4 Duration of the Internship:

The total duration of the internship is six months. The candidate is required to complete his/her internship during the prescribed time frame. The candidate will be considered eligible for doing internship after passing the 2nd year examination of DNYS.

2.5 Duration and necessary rules for completing internship

1. Internship will be completed within 2 years of passing the final year of DNYS, which can be done only in authorized AVIs and their Naturopathy hospitals.
2. Taking into account appropriate reasons, the minimum period of internship may be extended by a reasonable period on the recommendation of NIOS and AVI, including but not limited to the following:
   (i) Insufficient attendance (on the basics valid reasons)
   (ii) Unsatisfactory acquisition of essential qualification.
   (iii) Unable to seek required marks on assessment
   (iv) Any emergency such as disaster or force majeure in the country notified by the Government of India or any competent authority of the country.

3. The period of internship may be reduced/temporarily suspended or even withdrawn/cancelled by NIOS at any time on the following grounds:

(i) The registrant does not wish to undertake the compulsory internship for any valid reason.

(ii) If it is found that the registrant has not satisfied the eligibility requirements.

(iii) There are proven acts of indiscipline.

(iv) There are proven acts of professional misconduct.

(v) Any other act/action which violates the law of the country.

The AVI Competent Authority, Dean/Principal/Director or any other equivalent authority will be responsible for the implementation of the above action.

2.6 Leave / Holiday

1. General Holiday

(i) The intern may be allowed a maximum of 7 days leave with prior permission during the entire period of internship.

(ii) The entire period of 7 days cannot be availed during any one week. Not more than 2 leaves in a week or a month will be sanctioned.

2. Medical leave

(i) Medical leave shall be included in the fifteen days of normal leave.

(ii) Any medical leave after this period will be recommended only by a duly constituted Medical Board.

3. If any leave of absence exceeds this period, in such case the internship will be extended.

(i) The period of extension shall be equivalent to the period in addition of the permissible 15 days leave.

(ii) Internship will be repeated only in the department/specialty where the above mentioned extension is necessary.

2.7 Salary

During the internship, the trainee will not be entitled for any salary, allowances, medical or any other claim from NIOS.

2.8 Internship Fee

There is no provision of any kind of fee to be levied for internship.

3

Necessary Guidelines for AVI/Training Center

The two-year Diploma course in Naturopathy and Yoga Science is course of paramount importance. The main objective of the course is to train learners in the field of health and education. The course is the outcome of the holistic and productive effect undertaken at the national level by reputed yoga institutes, universities, Central Council for Research in Yoga and Naturopathy and Ministry of AYUSH, Government of India. The curriculum has been designed to include traditional practices, synchronized with modern times. It also has relevant component with practical implications. It is the effort of NIOS to provide a unique training through its training centers under this course, i.e. internship. Through the practical experience, the trainee can acquire competent skills, and he/her can effectively render better medical treatment.

All NIOS training centers shall undertake all necessary steps to make this internship as effective and successful as possible. They will also follow the following guidelines:

1. Prior notice and information about dates and timing of internship/workshop

- The training center or concerned hospital should inform the trainees about date & timing before starting the internship.
- A duty schedule should be prepared for all the trainees by the training center or concerned hospital.
- Information about the said schedule should also be provided to the Department of Vocational Education, NIOS.

2. Orientation Program

- An orientation program should be organized for the trainees on the first day, where all the guidelines should be made aware to them.
- In this program, trainees shall be provided will a duty schedule. The trainees will work in the hospital is accordance with the schedule.

3. Recording and Case Studies

- Trainees are required to record the work done each week and prepare a suitable file as per the case study. It is necessary to prepare patient case sheets on at least any 5 diseases, which will be used in the application for obtaining the diploma. A requisition in this regard should be attached with the letter. Thereafter, the manager, principal or in-charge of the hospital can provide one day leave in a week (as per convenience) for this work.
- During internship, trainees can clarify their doubts, problems and difficult issues with their in-charge physician or senior physician.

4. Necessary instructions for special practical skills during apprenticeship.

- During the internship, the therapist and physician will first teach the trainee pre-medical preparation skills. Thereafter trainees will undertake hands-on experience, together with the technician and therapist.
- Practical experience will be developed by delivering duty in different medical units, sections or departments of the hospital like hydrotherapy, mud therapy, fire therapy, acupressure therapy, Mudra therapy, massage therapy, diet therapy etc.
- Various medical related therapies will be taught by the concerned therapists and doctors, after which the trainees will be able to provide treatment under the supervision of the concerned therapists and doctors.
- Workshops can be organized as per the requirement.
- Throughout the internship, 90% attendance of the trainee will be mandatory.

5. Residential Training

Trainees who are interested in taking residential internship can do their internship by staying at the training centre. However it is at the discretion of the trainee. The trainee should not be forced to do the internship while staying in the training centre. If it's a residential internship, then for providing all the necessary resources and facilities, the training center can charge a nominal fee as per mutual agreement with the trainee.

6. During internship, trainees must have the following materials:

(i) An apron i.e. white colored coat
(ii) A pen and diary for notes, and record keeping
(iii) First aid box
(iv) Thermometer
(v) Stethoscope
(vi) BP machine etc.

7. Arrangement of refreshments and food during the internship

- Food & refreshment can be arranged by mutual coordination between the training center and the trainees.
- There is no fee or menu imposed by NIOS.
- AVI and trainees can mutually operate this facility by constituting a mess committee.

8. Appraisal and Certificate of Trainees

(a) Internal Evaluation

- The training center will prepare a report on the performance of the trainees, so that necessary improvements can be made every month and encouragement can be given. This report will be helpful in its evaluation.
- It is the responsibility of the training center to properly organize and handle all the processes like providing guidelines internal assessment etc. for practical skills during internship.
- The training center can contact the program coordinator, the concerned department and NIOS for any related information and problem resolution.
- Record of attendance of the trainees during the internship will be maintained at the training center which will be made available to the Program Coordinator, concerned department and NIOS before the online viva.

(b) External Evaluation

- After completion of internship, online viva of the trainee should be taken by the prescribed specialist naturopathic doctor, as nominated by AVI Coordinator, Programme Coordinator or Faculty and appropriate grade should be decided on the basis of internship performa received from AVI or the hospital.
- A certificate of internship will be given to the trainee by the AVI training center or the designated naturopathy hospital, duly signed by the head or doctor of the naturopathy faculty of AVI, and the medical head of the naturopathy hospital conducting the internship.

4
Guidelines Related to the Trainees

The necessary guidelines for the trainees are as follows:

- To keep contact with your center for information regarding organization of internship, time, date etc.
- Get information from your center for related problem (s).
- Trainees should bring their notebook with them during the internship and note down the necessary information in it.
- During internship, trainees should wear their apron, and reach their centre regularly and on time.
- It is mandatory for the trainee to bring his/her necessary material with him/her daily during the internship.
- Follow the rules formulated for the trainee, training center and the hospital.
- Follow the instructions given by the teacher.
- Be disciplined and cooperate in maintaining discipline.
- If found indulged in indiscipline, necessary action will be taken by the program coordinator/principal/doctor.
- If the trainee faces any inconvenience during the internship, he/she can contact the center coordinator.
- Prepare your record note book. Also note down the points necessary to fill the patient sheets for any 5 diseases.
- The dress code and attire is very important during internship. Therefore, wear a white colored apron or coat.
- Remove watches and jewelry, and any other valuable while working and keep them safe.
- Keep the mobile phone on the silent mode.
- Trainees should prepare a report based on their experience. This report will be helpful in their evaluation.
- For practical efficiency, pay special attention to the guidelines given by the training center on internal assessment, and other aspects.
- For any related information and problem resolution, you can contact your centre, program coordinator and concerned department or NIOS.
- Trainees will complete the internship at their training centre's hospital, but in special circumstances, they may be allowed for internship at another training centre's hospital by the Center Coordinator and NIOS Program Coordinator.

5

Guidelines for Naturopathy Hospitals Conducting Internship

Internships already play an important role in professional programs. Hence, it is clear that the hospitals which conduct internship have a valuable contribution in internship. These hospitals, including their faculty and staff, enable a trainee to provide better and effective treatment. Therefore, every trainee should also nourish a feeling of respect for these hospitals conducting internship, their faculty and staff. Besides, it is the full responsibility of the faculty and staff of these hospitals to take all necessary steps to make the internship effective and successful for their trainees and to ensure compliance with the following rules as per the following guidelines of NIOS:

1. Proper information and instructions regarding dates and timing of internship

- According to the list and duty schedule of trainees received from the training centers, hospitals will arrange for appointments in their various therapy sections.
- The duty schedule of each trainee should be in the administrative office of the medical department so that the management is also aware about it.
- During the internship, the therapist and physician will first teach the trainee pre-medical preparation skills. Thereafter trainees will undertake hands-on experience together with the technician and therapist.
- An internship programme laden with practical exposure and high quality trainees, shall equip trainees with silent knowledge & experiences.
- Practical experience will be developed by delivering duty in different medical units, sections or departments of the hospital like hydrotherapy, mud therapy, fire therapy, acupressure therapy, Mudra therapy, massage therapy, diet therapy etc.
- Various medical related therapies will be taught by the concerned therapists and doctors, after which the trainees will be able to provide treatment under the supervision of the concerned therapists and doctors.
- Workshops can be organized as per the requirement.
- Throughout the internship, 90% attendance of the trainee will be mandatory.

2. Practical experience of all therapies - from pre-medical preparation to Naturopathy during internship duty.

- During internship duty, a trainee should be compulsorily given practical experience of the following therapies of Naturopathy:
  - Pre-treatment preparation
  - Yoga therapy; All techniques related to Shatkarma, Asana, Pranayama, meditation etc.
  - All techniques related to hydrotherapy - like enema, waist bath etc.
  - All techniques related to mud therapy - like mud bath, punk bath etc.
  - All techniques related to sun therapy - like sun bath, steam etc.
  - Color therapy like water charged with different colors, sugar, oil etc.
  - Abhyanga (Massage) therapy
  - Acupressure
  - Mudra etc.

3. Residential facility

Same rules as for training centers will be applicable for residential facility during internship.

4. During the internship, trainees must have the following materials:

(i) A white coat

(ii) Diary for a record keeping & notes record

(iii) First aid box

(iv) Thermometer

(v) Stethoscope

(vi) BP machine etc.

5. Arrangement of refreshments and food during internship

- Food & refreshments can be arranged by mutual coordination between the training center and the trainees.
- There is no fee or menu imposed by NIOS.
- AVI and trainees can mutually operate this facility by constituting a mess committee.

6. Appraisal and Certificate of Trainees

Internal Evaluation by Naturopathy Hospitals

- The hospital will prepare a report on the performance of the trainees, so that necessary improvements can be made every month and encouragement can be given. This report will be helpful in its evaluation.
- It is the responsibility of both the training center and the hospital to properly organize and handle all the processes like providing guidelines for practical efficiency during internship and internal assessment etc.
- The hospital may contact the training center or Coordinator, and Program Coordinator for any related information and problem resolution.
- During the internship, record of attendance of the trainees during the internship will also be maintained in the hospital which will be made available to the training centre as well.
- After the internship, the trainee's attendance sheet and his/her qualitative assessment grade will be given by the prescribed naturopathy hospital on five points Likert Scale: excellent/ very good/ good/ satisfactory/ poor.

प्रशिक्षुता हेतु आवेदन पत्र
Application Form for Internship

Enrollment No.....

1. नाम (पूरा स्पष्ट अक्षरों में) .....
   Full Name (in Block Letters).....
2. पिता/माता/पति का नाम
   .....
   Father's/Mother's/Husband's Name.....
3. **उम्र/Age** ..... लिंग/Sex.....
4. जन्मतिथि/**Date of Birth (DD/MM/Year)**.....
5. पता/**Address** कार्यालय / **Office** .....
   निवास/**Residence**.....
   .....
6. फोन/**Telephone**
   Office.....Residence.....
7. एवीआई का नाम व पता (AVI Name & Address)
   .....
8. एवीआई कोड (AVI Code)
   .....

Attachments:

(i) 2 फोटो (पासपोर्ट साइज)/**Two Photos (passport size coloured photographs)**

(ii) प्रथम-द्वितीय वर्ष की अंकतालिका की फोटोकॉपी/Self Attested Photocopy of mark sheets of 1st and 2nd year

(iii) एनआईओएस द्वारा जारी पहचान-पत्र की फोटोकॉपी/ Self Attested Photocopy of I-Card issued by NIOS

दिनांक Date: .....

स्थान Place: .....

संलग्नकों की सूची

List of Enclosed Documents:

(i)

(ii)

(iii)

(iv)

(v)

आवेदक के हस्ताक्षर

Signature of Applicant

रोगी उपचार / इतिहास पत्रक के लिए सुझावित प्रोफॉर्मा
Suggested Proforma of Patient Case Sheet

(1) रोगी का नाम (Name of the patient) .....

लिंग(Sex) ..... उम्र (Age).....

(2) वैवाहिक स्थिति (Marital Status)

.....

(3) पूरा पता (Address)

.....

.....

(4) वर्तमान रोग (Present Disease)

.....

.....

(5) पूर्व रोगों का इतिहास (Previous history of diseases)

.....

.....

.....

(6) पारिवारिक इतिहास (Family History)

.....

.....

(7) मासिक धर्म/प्रसूति संबन्धित इतिहास (केवल महिलाओं के लिए)
(Menstrual and Obs. history (only for female applicants)

.....

.....

.....

(8) रोगी की शारीरिक स्थिति (Physical condition of the patient)

a. भार (Weight).....कि. ग्रा. (K.gm.) b. ऊंचाई (Height).....सेंटीमीटर (cm)

c. रक्तचाप B.P. .....Hg/m.m. d. नाड़ी गति (Pulse rate).....प्रतिमिनट (Per Min.)

e. श्वास गति (Respiratory rate)..... प्रतिमिनट (Per minute)

f. पेट तथा जीभ की स्थिति (Condition of Abdomen & Tongue)

.....

(9) रोग के अन्य लक्षण (Other symptoms of the Disease)

.....

.....

.....

(10) उपचार (Treatment):- जल चिकित्सा, मिट्टी चिकित्सा, वायु चिकित्सा, सूर्य किरण चिकित्सा, मालिश, योगासन, षट क्रियाएँ आदि जो भी दिया गया है, उसका विवरण :- Details of Hydro therapy, Mud therapy, Chromo therapy, Massage, Yogasan, Shatkriya etc.

.....

.....

.....

(11) आहार चिकित्सा:- उपवास, रसाहार, फलाहार आहार आदि जो भी प्रयोग किया हो उसका पूर्ण विवरण
Suggested Diet Therapy: Fast, Juice therapy, Fruit, Meal etc. treatment with full detail

.....

.....

.....

(12) परिणाम (Result)

.....

चिकित्सक के हस्ताक्षर
Signature of Physician

डिप्लोमा हेतु आवेदन पत्र (Application Form for Diploma)

Enrollment No. .....

1. नाम (पूरा स्पष्ट अक्षरों में) **Full Name (in Block Letters)**

   .....

2. पिता/माता/पति का नाम **Father's/Mother's/Husband's Name**

   .....

3. उम्र/Age.....लिंग/Sex.....

4. जन्मतिथि **/Date of Birth (DD/MM/Year)**

   .....

5. पता / **Address**

   कार्यालय / **Office** .....

   निवास/**Residence**.....

6. फोन / **Telephone**

   Office.....Residence.....

7. एवीआई का नाम व पता (AVI Name & Address)

   .....

8. एवीआई कोड (AVI Code)

   .....

संलग्नक (Attachments):

(i) 5 रोगियों का रोगी पत्रक व विवरण (5 patients case sheet on separate sheets)

(ii) 2 फोटो (पासपोर्ट साइज)/Two Photographs (passport sized colored Photographs)

(iii) प्रथम द्वितीय वर्ष की अंकतालिका की फोटोकॉपी/Self attested Photocopy of mark sheets of 1st and 2nd year

(iv) एनआईओएस द्वारा जारी पहचानपत्र की फोटोकॉपी/ Self attested Photocopy of I-Card issued by NIOS

(v) छः महीने के इंटर्नशिप समापन प्रमाणपत्र की फोटोकॉपी/ Self attested Photocopy of 6 months Internship completion certificate)

Date: .....
Place: .....

संलग्नकों की सूची
List of Enclosed Documents:

(i)
(ii)
(iii)

आवेदक के हस्ताक्षर
Signature of Applicant